**देश में कच्चे लोहे की खपत**

1860. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन:**
**श्री राम जेठमलानी :**

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने देश में कच्चे लोहे की खपत के संबंध में कोई मूल्यांकन किया है,

(ख) यदि हां, तो खपत की वार्षिक दर कितनी है,

(ग) देश में कच्चे लोहे के उत्पादन के लिए मार्च, 1991 तक प्रतिष्ठापित क्षमता कितनी थी,

(घ) इसका औसत वार्षिक उत्पादन कितना रहा है और कितने प्रतिशत क्षमता का इस्तेमाल हुआ है, और

(ङ) कच्चे लोहे की शेष मांग को पूरा करने के लिए देश में इसकी उत्पादन क्षमता में वृद्धि न होने के क्या कारण हैं ।

**इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री संतोष मोहन देव)** : (क) और (ख) कच्चे लोहे की वास्तविक खपत में देशी उत्पादन और आयात शामिल हैं । वर्ष 1990–91 में खपत के लिए कुल 16.62 लाख टन कच्चा लोहा उपलब्ध था ।

(ग) और (घ) एकीकृत इस्पात संयंत्रों की स्थापित क्षमता तप्त धातु/अपरिष्कृत इस्पात के रूप में हैं। कच्चे लोहे के लिए कोई पृथक क्षमता नहीं है । अतः कच्चे लोहे की क्षमता के उपयोग के संबंध में प्रश्न नहीं उठता ।

कच्चे लोहे का कुल वार्षिक स्वदेशी उत्पादन वर्ष 1989–90 में 13.36 लाख टन और वर्ष 1990–91 में 14.93 लाख टन था ।

(ङ) एकीकृत इस्पात संयंत्रों की तप्त धातु/अपरिष्कृत इस्पात क्षमता धीरे-धीरे बढ़ रही है । हालांकि, इन संयंत्रों को मूल रूप से तैयार इस्पात के उत्पादन हेतु डिजाइन किया गया है । इन संयंत्रों में मूल्य वर्धित उत्पादों का अधिक उत्पादन करना आर्थिक रूप से व्यवहार्य है ।

कच्चा लोहा उद्योग 1986 में लाइसेंस मुक्त कर दिया गया ताकि निजी उद्यमों को कच्चे लोहे के उत्पादन में आने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके । 8वीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक गैर-सरकारी क्षेत्र में लगभग 20 लाख टन कच्चे लोहे का उत्पादन किये जाने की संभावना है ।

**"धारा" तेल पर व्यय**

1861. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :**
**श्री रणजीत सिंह :**

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड ने खाद्य तेलों के पिछले परेषित माल को किस दर पर तथा कितनी मात्रा में खरीदा था ; और

(ख) देश में खाद्य तेलों की ढुलाई पर प्रति टन कितना खर्च हुआ तथा तेल के प्रति किलो की नई पैकिंग किए जाने पर कितना खर्चा हुआ ?

**कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुत्तयापल्ली रामचन्द्रन)** : (क) राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड, लेन देन की तिथि को प्रचलित बाजार भावों पर, खुले बाजार तथा इसकी सहायक एजेंसियों से देशी तेल की खरीद करता है । तेल वर्ष 1989–90 के दौरान राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड ने 82,000 एम० टी० देशी खाद्य तेल की खरीद की ।

(ख) आयातित तेल को इस समय "धारा" के लिए प्रयोग नहीं किया जाता ।